vern.), *well m.d* : *दत्तसुसारः (रा, रं) ; सारवत् (f. ती).

MANUSCRIPT : हस्तलिखितं पुस्तकम्.

MANY (adj.) : (1) बहु (also f. बह्वी) (best equiv.), *after good m. days* : सुबहुदिवसापगमे, K. ; *great m. advantages* : बहुतर उपकारः, Viv ; *by not very m. attendants* : नातिबहुना परिजनेन, K.; *killing very m. monkeys* : वानरान् बहुशो हत्वा, A.r. ; *bring m. of these* : बहूनीमान्युपाहर, Mah. ; *very m. rivers* : बहुतरसरितः, Mat. ; *m.-headed, etc.* : बहुशिरस् (mfn.), etc.; (2) अनेक *or* नैकः (का, कं), *m. thousands of Gandharvas* : अनेकानि गन्धर्वसहस्राणि, Kar. ; (3) भूयस् (f. सी), *by m. little (things)* : भूयोभिः क्षुद्रैः, A.r. ; (4) अनल्पः (ल्पा, ल्पं), etc (=not few).

MANY, AS : यावत् (f. ती), *but as m. as they were in war* : ते तु यावन्त एवाजौ, R. xii. 45.

MANY, HOW : (1) कति, (mfn.), *h. m. years*.: कति वर्षाणि, A.r. ; (3) कियत् (f. ती), *and in h. m. days* : कियद्भिर्वा दिवसैः, K. Ph. : *h. m. times* : कतिशः *or* कति वारान् *or* कियतो वारान्.

MANY, SO : I. Absol. : (1) इयत् (f. ती), *so m. years* : इयन्ति वर्षाणि, R. ; (2) एतावत् (f. ती), *so m. days* : एतावतो दिवसान्, U. i. II. In connection with : यावत्, तावत् (f. ती), *so m. he appeared to them* : तावाश्च ददृशे स तैः, R. xii. 45.

MANY-SIDED : I. Lit. : बहुभुजः (जा, जं). II. Fig. : v. Manifold.

MAP (subs.) : *मानचित्रम्.

MAP (v.) : अभि-लिखति (लिख्, c. 6.). II. To describe : वर्णयति (वर्ण्, c. 10.). III. To mark : चिह्नयति.

MAPLE : फलविशेषे तद्वृक्षे च.

MAR : (1) हन्ति (हन्, c. 2.) : v. To destroy ; (2) दूषयति (c. of दुष्) : v. To spoil : v. Also to disfigure.

MARAUD (v.) : अभिद्रवति (द्रु, c. 1.) (?).

MARAUDER : अभिद्रवकारिन् (f. णी) (?) ; उपद्रविन् (f. णी) (?).

MARBLE (subs.) : *मर्मरः, मर्मरोपलः ; etc.

MARBLE (v.) : *मर्मरयति (nomi.) ; चित्रीकरोति, *m.-edged* : चित्रधारः (रा, रं) (?).

MARCH (subs.) : I. The month : उत्तरफाल्गुन-पूर्वचैत्रसंवादीयुरूपीयवर्षस्य तृतीयो मासः. II. Journey : (1) यात्रा (also fig.), *obstructor of the m. of the world* : लोकयात्राविघातकः, Mah. ; (2) यानम्, प्र-, *broke off m.ing. for three nights* : त्रिरात्रं प्रयाण-भङ्गमकरोत्, P. ; (3) प्रस्थानम् (=setting out on a m.), *just ascertain a day proper for our m.* : निरूप्यतां तावदस्माकं प्रस्थानयोग्यदिवसः, Mu. iv. II. As measure of distance : (1) प्रयाणम्, -कम्, *followed a few m.es* : कतिचित्प्रयाणकान्यनुवव्राज, C. v. ; (2) अध्वन् (m.) (=way), *after three m.es* : अध्वसु त्रिषु, R. xi. 57.

MARCH (v.) : याति, प्र-, अभि-, अभिप्र-, (या, c. 2.), *let the whole army m.* : प्रयातु वाहिनी सर्वा, A. r. ; (2) व्रजति, अभि-, (व्रज्, c. 1.) ; *should m. against an enemy, drawing up the forces in battle-array* : बलं व्यूह्य द्विषतोऽभिमुखं व्रजेत्, Ka. xviii. 2. ; (3) चलति, सं-, उत् (चल्, c. 1.) (=to move), *the great army m.ed* : महाचमूश्च-चाल, Ki. ; (4) प्रतिष्ठते (स्था, c. 1.) (=to start), *m.ed by land* : प्रतस्थे स्थलवर्त्मना, R. iv. 60.

MARCH (v.t.) : (1) नयति (नी, c. 1.) (=to lead : q.v.) ; (2) expr. by intrans.

MARCHES : प्रान्ताः (m. pl.) : v. Boundary.

MARCHING (subs.) : (1) प्रयाणम् ; (2) प्रस्थानम् : v. March (II).

MARCHIONESS : *नायिका ; मार्च्वी.

MARE : (1) वामी ; (2) वडवा ; (3) घोटकी ; (4) अश्वा ; (5) हयी.

MARGIN : धारः : v. Also edge, border.

MARGINAL : धारे लिखितः *or* धारलिखितः (ता, तं) (?).

MARGINALLY : धारे, धारतः (?).

MARGRAVE : सामन्तः (??). *M.ine* : सामन्तवधूः (?).

MARIGOLD : *पीतपुष्पा ; लताविशेषः.

MARINE (adj.) : (1) सामुद्र (f. द्री) ; (2) सामुद्रिक (f. की) ; etc.

MARINE (subs.) : *पोतयोधः and sim. comp.s.

MARINER : नाविकः : v. Sailor.

MARITAL : विवाह- in comp. : v. Matrimonial.

MARITIME : सामुद्रिक (f. की) : v. Also naval.

MARJORAM : आमलकः, -की (? comp. Lat. amarcus).

MARK (subs.) : I. A sign, character : चिह्नम्,